सब की
बाइबल

दूसरा भाग

Second Part

Published by
Good Word Communication Services Pvt Ltd
PO Box 3927, Andrews Ganj,
New Delhi 110049, INDIA
contact@skbindia.in www.skbindia.in

SAB KI BIBLE (Second Part)

Copyright © 2016 Text: Dusty Sandals Society
Copyright © 2016 Notes: Grace Ministries

ISBN 978-93-80941-21-9

Published by
Good Word Communication Services Pvt Ltd
PO Box 3927, Andrews Ganj,
New Delhi 110049, INDIA
contact@skbindia.in
www.skbindia.in

Printed at
Glory Graphics, New Delhi

सब की बाइबल (दूसरा भाग)

हमारे देश में हिन्दी भाषा में लगभग आधा दर्जन अनुवाद किए जा चुके हैं। सभी अनुवादों की कोशिश यह रही है कि लोग सच्चाई को जानें। सभी अनुवाद किसी न किसी तरह से फ़ायदेमन्द रहे हैं।

हिन्दी भाषा में लगातार बदलाव होता जा रहा है। हमें उस हिन्दी में परमेश्वर के संदेश को देना है, जिसे लोग आज सुनते और बोलते हैं। इस अनुवाद का पहला उद्देश्य यही है।

हिन्दी भाषा ने आज अपने आप में कुछ अंग्रेज़ी और उर्दू के शब्दों को समेट लिया है, उदाहरण के लिये 'आज़ादी'। यह शब्द स्वतंत्रता से अधिक मायने रखता है। इन शब्दों को मुँह से कहना भी आसान है।

आजकल कुछ ऐसे शब्द भी हैं जिन्हें इस्तेमाल नहीं किया जाता है, उदाहरण के लिए 'दाखलता' (देखें यूहन्ना 15 अध्याय)। प्रत्येक व्यक्ति अंगूर क्या है जानता है, लेकिन यह नहीं जानता कि 'दाख' क्या है। 'नाईं', 'क्योंकर', 'तईं' 'लों' आदि शब्दों का उपयोग आज की हिन्दी में नहीं है। लोगों को आसान हिन्दी में पढ़ने का मौका मिले यही हमारा उद्देश्य है।

'पाप' शब्द के स्थान पर हम ने गुनाह शब्द भी का इस्तेमाल किया है। कानून के दायरे में उत्तरी और मध्य भारत में हर दिन यही शब्द इस्तेमाल किया जाता है।

यही 'पाप' या 'गुनाह' क्लासिकल यूनानी भाषा में 'हमार्टिया' (संज्ञा) है। इसका शाब्दिक अर्थ है 'चूक जाना'। बाइबल अनुवादकों ने शायद ये शब्द इसलिये उपयोग नहीं किये, क्योंकि सुनने में यह (चूक जाना) बहुत हल्का फुल्का लगता है। यह मात्र 'क्रिया' को दिखाता है, 'दशा' या 'हालत' को नहीं। लेकिन नए नियम में 'हमार्टिया' पाप की हालत (स्थिति) को दिखाता है, मात्र चूक जाने को नहीं।

बाइबल में यूनानी हमार्टीनो (क्रिया) का उपयोग स्वर्गदूतों का परमेश्वर के, मनुष्य का मनुष्य के विरोध में बुरा या गलत करने के लिए हुआ है।

यूनानी भाषा में 'परपटोमा', 'अनामार्टेटोस' आदि शब्द की 'पाप' या 'गुनाह' के लिए इस्तेमाल हुए हैं।

पुराने नियम में 'अनोमिया' (दुष्टता या पदपुनपजल) का शाब्दिक मतलब है 'कानूनहीनता'। 'आडीकिया' (अधार्मिकता) भी हमें बार देखने को मिलता है। 'अडिकेमा' चोट पहुँचाने, गलती करने और गलत काम के लिए है। शब्द 'पारानोमिया' 'नियम तोड़ने' और 'पोनेरिया' 'दुष्टता' के लिए है।

जहाँ तक परमेश्वर के लिखित नियमों और आज्ञाओं का सवाल है उसके लिए हम ने 'व्यवस्था' शब्द की जगह 'नियमशास्त्र' रखा है।

बाइबल में 'धर्मी' शब्द का उपयोग बहुत हुआ है। हम संदर्भ के अनुसार ही उसका अर्थ लगा सकते हैं। यह शब्द कम से कम तीन अर्थों में तो उपयोग हुआ ही है और वे हैंः

1. न्यायी या इन्साफ़ करने वाला।
2. परमेश्वर के सामने सिद्ध ठहराया (या अपनाया) गया व्यक्ति।
3. खराई या सच्चाई का जीवन जीने वाला।

प्रायः यह कहा जाता है कि 'तू' और 'तेरा' आदि शब्द सम्बन्धों की निकटता को दिखाते हैं। सच्चाई तो यह है कि भारत के कुछ भागों में ये शब्द उस समय इस्तेमाल किए जाते हैं जब किसी को किसी पर क्रोध आता है, या जब व्यक्ति किसी की बेइज़्ज़ती करना चाहता है। भारत में हम अनेक मतों के लोगों के बीच रहते हैं। अकसर किसी भी मत के लोग अपने गुरू या ईश्वर को इन शब्दों से सम्बोधित नहीं करते हैं। इसलिए इस अनुवाद में हम आदर-सम्मान देने वाली भाषा का उपयोग कर रहे हैं।

हिन्दी भाषा में प्रायः 'हैं' बहुवचन को दिखाता है यही 'हैं' किसी व्यक्ति को आदर देते समय भी इस्तेमाल किया जाता है, जैसेः

वे (बहुवचन) लोग जा रहे हैं (बहुवचन)

आप (एकवचन) कहाँ जा रहे हैं (आदरसूचक)

हम सुसमाचार सुनाने वालों, पास्टरों, बाइबल विद्वानों और शिक्षकों से सम्पर्क बनाए हुए हैं, ताकि यह 'सबकी बाइबल' बन सके।

कठिन हिन्दी शब्दों की जगह आसान हिन्दी या उर्दू-शब्दों का इस्तेमाल किया गया है जो रोज़मर्रा के इस्तेमाल में है जैसेः

दीर्घायु	लम्बी उम्र
स्मरण	याद
चंगा	स्वस्थ या अच्छा
बाट जोहना	इन्तज़ार
सामर्थ	ताकत, शक्ति
धर्म	धार्मिकता, न्याय, खरा (संदर्भ के अनुसार)
हृदय	मन, आत्मा, भीतर
सुसमाचार	सु-संदेश, खुशी की खबर
पशु	जानवर
जल	पानी

वृक्ष	पेड़
सुभागी	सुखी/आशीषित
दुर्भाग्य या सौभाग्य, सुभागी	थियोलॉजिकली गलत हैं और इस्तेमाल नहीं किए जाने चाहिए।

हम यह दावा नहीं करते हैं कि यह सर्वश्रेष्ठ और बिना गलतियों की बाइबल है। इसलिए हम लोगों की सलाह, टिप्पणी और आलोचना का स्वागत करेंगे, ताकि एक ऐसी बाइबल लोगों के हाथ में हो, जिसे समझने में किसी को (विशेषकर उनको जिन्हें अधिक शिक्षा हासिल करने का मौका नहीं मिल सका) कठिनाई न हो और भाषा की मिठास बनी रहने के साथ अर्थ भी सही बना रहे।

अन्त में हम उन बाइबल शिक्षकों, और सुसमाचार देने वालों के प्रति आभार प्रगट करते हैं, जिन्होंने अपना समय और सलाह देकर हमें सहयोग दिया है।

अध्ययन के लिये नोट्स:

बाईबल को अच्छी तरह से समझने के लिये हम ने इस अध्ययन को तैयार किया है।इस के इस्तेमाल से लोग इन शिक्षाओं को अपने हर दिन के जीवन में लागू कर सकेंगे।

राबर्ट क्रो (1924- 2007) और उनके एक दोस्त ने बड़ी मेहनत कर के इसे तैय्यार किया है। इस बात का ध्यान रखा गया है, कि सन्दर्भ के मुताबिक मतलब लगाया जाये। यह कोशिश रही है, कि लोगों के अपने मत और सिद्धान्त सामने न रखे जाएँ।

यह प्रयास है, कि गलतियाँ न हों, लेकिन प्रूफ़ - रीडिंग करते समय कुछ गलतियाँ रह जाती हैं। यदि उनकी ओर हमारा ध्यान खींचा जाये, तो भविष्य में छपने वाली किताब से हम उन्हें दूर कर सकेंगे।

सच्चाई को लोगों तक पहुँचाना हमारी ज़िम्मेदारी है। हर एक जन जो यीशु मसीह का पैरोकार होने का दावा करता है, उसके सोच-विचार, बोलचाल और लेखन इसी सच्चाई से भरपूर होना चाहिये।

प्रभु, परमेश्वर का धन्यवाद हो, यदि इस अध्ययन से सच्चाई जानने से लोगों का फ़ायदा होता है।

भजन के लिखने वाले के साथ हम पूरी तरह सहमत होंगे, “आपकी दया और सच्चाई के लिये हम आपकी बड़ाई करते हैं, आप ही को लोग सराहें।” भजन 115:1

-ग्रेस मिनिस्ट्रीज़

नया नियम पुस्तकें

पुस्तकों के नाम	संक्षिप्त	पृष्ठ
मत्ती सुसमाचार	मत्ती	1-120
मरकुस सुसमाचार	मरकुस	121-156
लूका सुसमाचार	लूका	157-235
यूहन्ना सुसमाचार	यूहन्ना	236-346
प्रेरितों के काम	प्रे.काम	347-433
रोमियों	रोमि.	434-494
1 कुरिन्थियों	1 कुरि.	495-550
2 कुरिन्थियों	2 कुरि.	551-587
गलातियों	गल.	588-609
इफ़िसियों	इफ़ि.	610-635
फ़िलिप्पियों	फ़िलि.	636-652
कुलुस्सियों	कुल.	653-666
1 थिस्सलुनीकियों	1 थिस्स.	667-678
2 थिस्सलुनीकियों	2 थिस्स.	679-687
1 तीमुथियुस	1 तीमु.	688-708
2 तीमुथियुस	2 तीमु.	709-720
तीतुस	तीतुस	721-727
फिलेमोन	फिले.	728-730
इब्रानियों	इब्रा.	731-781
याकूब	याकूब	782-797
1 पतरस	1 पतर.	798-816
2 पतरस	2 पतर.	817-827
1 यूहन्ना	1 यूहन्ना	828-846
2 यूहन्ना	2 यूहन्ना	847-849
3 यूहन्ना	3 यूहन्ना	850-852
यहूदा	यहूदा	853-858
प्रकाशित वाक्य	प्रका.	859-918